Hindi

पाठ 7 पावागढ़ की सैर

* शब्दार्थ :-
युक्ति - उपाय [tactics], लश्कर - दल, सेना

* कठिन शब्द :-
बलवती - इच्छा दृढ़ होना,
संयोग - इत्तफाक से

* लिखित :-

प्र. 1) किसके मन में पावागढ़ घूमने की इच्छा पैदा हुई? यह इच्छा इच्छा कब और कैसे पूरी हुई?

→ लेखक आनंद और उनके पाँच - छह मित्र के मन में पावागढ़ घूमने की इच्छा पैदा हुई। संयोग से उनकी कक्षा में रहिल नाम के नए बच्चे का दाखिला हुआ जो पहले पावागढ़ के उस पार रहता था। वह जल्दी ही लेखक और उनके दोस्तों का अच्छा दोस्त बन दिपावली की छुट्टीयों मे सबने पावागढ़ शिक्षक के साथ जाने की ठानली और सब लोग पावागढ़ की ओर निकल पड़े।

प्र. 2) पहाड़ की चोटि पर पहुँचकर आनंद को आश्चर्य क्यों हुआ?

→ पहाड़ी की चोटी पर पहुँचकर आनंद को आश्चर्य हुआ क्यों की पहाड की चोटी पर उसे सपाट मैदान दिखाई दिया। उसे यह देखकर आश्चर्य हुआ दूर से तो पावागढ की चोटि बिलकुल नोकीली लगाती थी। और चोटि पर जाकर देखा तो वहाँ पर सपाट मैदान था।

प्र. 3) घर आकर आनंद को कैसा लगा?

→ जिस पावागढ़ को आनंद और उसके मित्रोंने दूर से देखा था उसकी चोटी पर हो आने से उसको आनंद हो रहा था।